Bihar Board Class 7 Social Science Geography Notes Chapter 1 पृथ्वी के अन्दर ताँक-झाँक

पाठ का सार संक्षेप

पृथ्वी के अन्दर ताक-झांक का अर्थ है कि छात्र यह जान सके कि इसकी भीतरी बनावट क्या है और कहाँ क्या-क्या मिलता है ? हमारी य.. सोच कि पृथ्वी के अन्दर केवल मिट्टी है. सही नहीं है । पृथ्वी के अन्दर मिट्टी तो है हो, इसके अन्दर पानी भी है, जिसे हम पीने के अलावा अनेक काम में लाते हैं।

पृथ्वी के अन्दर अनेक प्रकार के बहुपयोगी और बहुमूल्य खनिज पाये जाते हैं । कोयला, हीरा, सोना, चाँदी, ताँबा, जस्ता, टीन, खनिज तेल आदि अनेक खनिज इसके उदाहरण हैं । पृथ्वी के अन्दर कहीं-कहीं पत्थरों के चट्टान भी पाये जाते हैं, जिस कारण वहाँ नल फँसाना कठिन होता है । रचना के अनुसार पृथ्वी के तीन भाग हैं। ऊपर में सियाल, बीच में मेंटल तथा सबसे नीचे क्रोड।

(i) सियाल-सियाल को भू-पर्पटी भी कहा जाता है ।भू-पर्पटी पर ही कृषि कार्य होता है और पेड़-पौधे उगते हैं। यही नहीं, पानी के अलावा सभी खनिज पदार्थ सियाल क्षेत्र में ही पाये जाते हैं

(ii) मेंटल-मेंटन पृथ्वी के बीर का भाग है । इसे सीमा (SIMA) भी कहा जाता है । इसी भाग से सिलिका (Si) और मैग्नेशियम (Ma) पाये जाते हैं, जो हमारे अनेक वैज्ञानिक उपयोग में आते हैं । ज्वालामुखी मेंटल से ही फूटा करते हैं । इस कारण हम कह सकते हैं कि पृथ्वी के अन्दर आग और पानी दोनों हैं।

(iii) क्रोड-क्रोड पृथ्वी के सबसे नीचे अवस्थित है । इस परत में निकेल . (Ni) और लोहा (Fe) पिघली अवस्था में इधर-से-उधर तैरते रहते हैं। भारी दबाव के कारण यहाँ ताप की इतनी अधिकता रहती है कि निकल और लोहा, जो कि प्रसिद्ध धातु हैं, पिघल कर तैरती अवस्था में पाये जाते हैं ।

निकेल का वैज्ञानिक सूत्र 'Ni" है तथा लोहा का 'Fe': जिस कारण इसे निफे (NIFE) नाम भी दिया गया है। . पृथ्वी के अन्दर से इतने बहुमूल्य खनिजों, पानी और इसपर उपजने वाले फल-फूलों के कारण इसे 'रत्नगर्भा' भी कहा गया है। इस पृथ्वी पर ही हम जन्म लेते हैं और इसी में दफनाये या इसी पर जलाये जाते हैं. इस अर्थ में यह हमारी माँ के समान है । हम इसे धरती माता कहकर इसका नमन भी करते हैं । "नमस्कार हे धरती माता, तुमको बारम्बार माता, तुमको बारम्बर ।"

https://www.evidyarthi.in/